

सुब्रह्मण्य अष्टोत्तर शत नामावलि

- ॐ स्कन्दाय नमः
 ॐ गुहाय नमः
 ॐ षण्मुखाय नमः
 ॐ फालनेत्र सुताय नमः
 ॐ प्रभवै नमः
 ॐ पिङ्गलाय नमः
 ॐ क्रुत्तिकासूनवे नमः
 ॐ सिखिवाहाय नमः
 ॐ द्विषण्णे त्राय नमः ॥ 10 ॥
 ॐ शक्तिधराय नमः
 ॐ फिशिताश प्रभञ्जनाय नमः
 ॐ तारकासुर संहार्त्रे नमः
 ॐ रक्षोबलविमर्द नाय नमः
 ॐ मत्ताय नमः
 ॐ प्रमत्ताय नमः
 ॐ उन्मत्ताय नमः
 ॐ सुरसैन्य स्सुरक्ष काय नमः
 ॐ दीवसेनापतये नमः
 ॐ प्राज्ञाय नमः ॥ 20 ॥
 ॐ कृपालवे नमः
 ॐ भक्तवत्सलाय नमः
 ॐ उमासुताय नमः

- ॐ शक्तिधराय नमः
 ॐ कुमाराय नमः
 ॐ क्रौञ्च दारणाय नमः
 ॐ सेनानिये नमः
 ॐ अग्निजन्मने नमः
 ॐ विशाखाय नमः
 ॐ शङ्करात्मजाय नमः ॥ 30 ॥
 ॐ शिवस्वामिने नमः
 ॐ गुण स्वामिने नमः
 ॐ सर्वस्वामिने नमः
 ॐ सनातनाय नमः
 ॐ अनन्त शक्तिये नमः
 ॐ अक्षौभ्याय नमः
 ॐ पार्वतिप्रियनन्दनाय नमः
 ॐ गङ्गासुताय नमः
 ॐ सरोद्धूताय नमः
 ॐ अहूताय नमः ॥ 40 ॥
 ॐ पावकात्मजाय नमः
 ॐ ज्रुम्भाय नमः
 ॐ प्रज्रुम्भाय नमः
 ॐ उज्ज्रुम्भाय नमः
 ॐ कमलासन संस्तुताय नमः
 ॐ ऐकवर्णाय नमः
 ॐ द्विवर्णाय नमः
 ॐ त्रिवर्णाय नमः

ॐ सुमनोहराय नमः
 ॐ चतुर्वर्णाय नमः ॥ 50 ॥
 ॐ पञ्चवर्णाय नमः
 ॐ प्रजापतये नमः
 ॐ आहारपतये नमः
 ॐ अग्निगर्भाय नमः
 ॐ शमीगर्भाय नमः
 ॐ विश्वरेतसे नमः
 ॐ सुरारिघ्ने नमः
 ॐ हरिद्वर्णाय नमः
 ॐ शुभकाराय नमः
 ॐ वटवे नमः ॥ 60 ॥
 ॐ वटवेषभ्रुते नमः
 ॐ पूषाय नमः
 ॐ गभस्तिये नमः
 ॐ गहनाय नमः
 ॐ चन्द्रवर्णाय नमः
 ॐ कलाधराय नमः
 ॐ मायाधराय नमः
 ॐ महामायिने नमः
 ॐ कैवल्याय नमः
 ॐ शङ्करात्मजाय नमः ॥ 70 ॥
 ॐ विस्वयोनिये नमः
 ॐ अमेयात्मा नमः
 ॐ तेजोनिधये नमः

- ॐ अनामयाय नमः
 ॐ परमेष्टिने नमः
 ॐ परब्रह्मय नमः
 ॐ वेदगर्भाय नमः
 ॐ विराट्सुताय नमः
 ॐ पुलिन्दकन्याभर्ताय नमः
 ॐ महासार स्वताव्रुताय नमः ॥ 80 ॥
 ॐ आश्रित खिलदात्रे नमः
 ॐ चौरघ्नाय नमः
 ॐ रोगनाशनाय नमः
 ॐ अनन्त मूर्तये नमः
 ॐ आनन्दाय नमः
 ॐ शिखिण्डिकृत केतनाय नमः
 ॐ डम्भाय नमः
 ॐ परम डम्भाय नमः
 ॐ महा डम्भाय नमः
 ॐ क्रुपाकपये नमः ॥ 90 ॥
 ॐ कारणोपात्त देहाय नमः
 ॐ कारणातीत विग्रहाय नमः
 ॐ अनीश्वराय नमः
 ॐ अमृताय नमः
 ॐ प्राणाय नमः
 ॐ प्राणायाम पारायणाय नमः
 ॐ विरुद्धहन्त्रे नमः
 ॐ वीरघ्नाय नमः

ॐ रक्तास्याय नमः

ॐ श्याम कन्धराय नमः ॥ 100 ॥

ॐ सुब्र ह्मण्याय नमः

आन् गुहाय नमः

ॐ प्रीताय नमः

ॐ ब्राह्मण्याय नमः

ॐ ब्राह्मण प्रियाय नमः

ॐ वेदवेद्याय नमः

ॐ अक्षय फलदाय नमः

ॐ वल्ली देवसेना समेत श्री सुब्रह्मण्य स्वामिने नमः ॥ 108 ॥

Web Url: <http://www.vignanam.org/veda/subrahmanya-ashtottara-sata-namavali-devanagari.html>